GSEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 6 कालिदास का प्राणीप्रेम

GSEB Class 10 Hindi Solutions कालिदास का प्राणीप्रेम Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

हरिणशावक इनमें से किसके बाणों से घायल हआ था ?

(अ) कालिदास

(ब) मल्लिका

(क) दन्तुल

(ड) अम्बिका

उत्तर :

(क) दन्तुल

प्रश्न 2.

कालिदास हरिणशावक के अंगों पर ..... का लेप लगाना चाहता है ।

(अ) हवाई

(ब) तेल

(क) मरहम

(ड) घृत

उत्तर :

(ड) घृत

प्रश्न 3.

'मेरी वेश-भूषा ही इस बात का परिचय देती है कि मैं यहाँ का निवासी नहीं हूँ ।' - यह वाक्य कौन किस से कहता है ?

(अ) कालिदास दन्तुल से

(ब) दन्तुल कालिदास से

(क) मल्लिका दन्तुल से

(ड) दन्तुल मल्लिका से

उत्तर :

(ब) दन्तुल कालिदास से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 4.
उज्जयिनी की राज्यसभा का प्रत्येक व्यक्ति कालिदास को किसलिए जानता है ?
(अ) 'ऋतुसंहार' के लिए
(ब) 'गीतसंहार' के लिए
(क) 'संगीतसंहार' के लिए
(ड) 'नाट्यसंहार' के लिए
उत्तर :
(अ) 'ऋतुसंहार' के लिए

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
कालिदास कौन थे ?
उत्तर :
कालिदास संस्कृत भाषा के महान साहित्यकार थे।

प्रश्न 2.
हिरणशावक किसके बाणों से घायल हुआ था ?
उत्तर :
हरिण-शावक दन्तुल के बाणों से घायल हुआ था।

प्रश्न 3.
कालिदास हिरण को कहाँ ले गये ?
उत्तर :
कालिदास हरिण-शावक को मल्लिका के घर ले गये।

प्रश्न 4.
अंत में दन्तुल ने कालिदास को कैसे पहचाना ?
उत्तर :
मल्लिका द्वारा परिचय पाकर दन्तुल ने कालिदास को पहचाना।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
माँ के रुष्ट होने के पीछे मल्लिका क्या अनुमान करती है ?
उत्तर : मल्लिका कालिदास के साथ बरसात में बाहर गई थी। इसलिए वह बुरी तरह भीगकर घर लौटी थी। मल्लिका अनुमान करती है कि उसकी मां के रुष्ट होने का यही कारण है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2.
दन्तुल कौन था ? वह मल्लिका के घर कैसे पहुँचा ?
उत्तर :
दन्तुल उज्जयिनी राज्य का राजपुरुष था। उसके बाण से एक हरिण-शावक घायल हुआ था। घायल हरिण-शावक अपनी जान बचाने के लिए कालिदास की गोद में आ गया था। कालिदास उसे लेकर मल्लिका के घर आ गए थे। रास्ते में हरिण-शावक के टपकते खून को देखते हुए राजपुरुष दन्तुल अपने शिकार को खोजते हुए मल्लिका के घर पहुंचा था।

प्रश्न 3.
मल्लिका ने दन्तुल को हरिणशावक के लिए हठ न करने के लिए क्यों कहा ?
उत्तर :
दन्तुल कालिदास से घायल हरिण-शावक लेने पर अड़ा हुआ था। मल्लिका ने दन्तुल से कहा कि तुम्हारे लिए घायल हरिणशावक को पाना अधिकार का प्रश्न है, जबकि कालिदास के लिए उसे न देना संवेदना का प्रश्न है। अधिकार के प्रश्न से संवेदना का प्रश्न अधिक महत्त्वपूर्ण है। इसलिए मल्लिका ने दन्तुल को हरिण-शावक के लिए हठ न करने के लिए कहा।

प्रश्न 4.
कालिदास दन्तुल को अपराधी न मानने के लिए क्या तर्क देता है ?
उत्तर :
राजपुरुष दन्तुल ने जिस क्षेत्र में हरिण-शावक का आखेट किया था, उस क्षेत्र में हरिणों का आखेट करना मना था। राजपुरुष दन्तुल बाहर से आया था, इसलिए उसे यहाँ के नियम की जानकारी नहीं थी। कालिदास दन्तुल को हरिण-शावक का आखेट करने के लिए अपराधी न मानने के लिए यह तर्क देते हैं।

प्रश्न 5.
उज्जयिनी की राजसभा कवि कालिदास का सम्मान किस तरह करना चाहती है ?
उत्तर :
उज्जयिनी की राज्यसभा का प्रत्येक व्यक्ति 'ऋतुसंहार' के लेखक कवि कालिदास को जानता है। सम्राट ने स्वयं 'अतुसंहार' पढ़ा है और उसकी प्रशंसा की है। इसलिए उज्जयिनी की राज्यसभा कवि कालिदास को राजकवि का सम्मान देकर उन्हें सम्मानित करना चाहती है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
घायल हरिणशावक को बचाने के लिए कालिदास ने क्या-क्या किया ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर :
राजपुरुष दन्तुल के बाण से घायल होकर हरिण-शावक अपनी जान बचाने के लिए कुलाचे भरता हुआ कालिदास की गोद में आ गया था। तब कालिदास ने उसे अपनी गोद में समेट कर उसके घायल बदन को सहलाते हुए उसे तरह-तरह से सांत्वना दी थी - ठीक उसी तरह जैसे वे किसी पायल बच्चे को पुचकार कर धीरज बंधा रहे हो। मल्लिका के घर उन्होंने उसे दूध पिलाया, जिससे उसे राहत मिली। मल्लिका के घर राजपुरुष ने हरिण-शावक को अपनी संपत्ति बताते हुए कालिदास से उसे सौंप देने का हठ किया तो कालिदास ने स्पष्ट शब्दों में उसे जवाब दिया कि इस क्षेत्र में आखेट नहीं होता और यह हरिणशावक पार्वत्य भूमि की संपत्ति है। कालिदास अंत में राजपुरुष की परवाह नहीं करते और घायल हरिण-शावक को अपने साथ लेकर अपने घर जाने के लिए निकल पड़ते हैं। इस प्रकार कालिदास ने हरिण-शावक को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया।

प्रश्न 2.
कालिदास हरिणशावक को क्यों बचाना चाहते थे ?
उत्तर :
कालिदास एक संवेदनशील व्यक्ति थे। उनके हृदय में प्राणियों के प्रति बहुत प्यार था। वे उस पार्वत्य भूमि के निवासी थे, जहाँ लोग पशु-पक्षियों को अपनों में से, अर्थात् अपने मित्र मानते थे। कालिदास के क्षेत्र में हरिणों का आखेर अपराध माना जाता था। आहत हरिण-शावक को देखकर वे स्वयं आहत थे और उसे हर हालत में जीवित रखने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने राजपुरुष दन्तुल से स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि यह घायल हरिण-शावक उनकी पार्वत्य भूमि की संपत्ति है। वह यह.सोचकर भूल कर रहा है कि वे इसे उसे सौंप देंगे। इन पंक्तियों से प्राणियों के प्रति कालिदास के प्रगाढ़ प्रेम का पता चलता है। जिस व्यक्ति के मन में प्राणियों के प्रति इतना प्रेम हो, वह एक घायल हरिण-शावक की जान बचाना क्यों नहीं चाहेगा। मूक प्राणियों की रक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। इसलिए कालिदास हरिण-शावक की जान बचाना चाहते थे।

प्रश्न 3.
हरिणशावक के लिए कालिदास और दन्तुल के बीच में हुए संवाद को अपने शब्दों में लिखिए ?
उत्तर :
राजपुरुष दन्तुल के बाण से आहत हरिण-शावक को अपनी बाहों में लेकर कालिदास मल्लिका के घर आता है। तभी हरिण-शावक के शरीर से टपकती हुई खून की बूंदों के सहारे राजपुरुष दन्तुल वहाँ पहुँचता है और कालिदास से हरिण-शावक की मांग करता है। इस बात को लेकर दोनों के बीच संवाद होता है।

दन्तुल कालिदास से कहता है कि वे उसके बाण से आहत हरिणशावक उठा लाए हैं। वह उसकी संपत्ति है। इसलिए वे उसकी संपत्ति लौटा दें। इसके जवाब में कालिदास कहते हैं कि जिस क्षेत्र में उसने हरिण-शावक पर बाण चलाया है, उस प्रदेश में हरिणों का आखेट नहीं होता। वह बाहर से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आया है इसलिए उसे इस जुर्म के लिए अपराधी नहीं माना जा रहा है, यही क्या कम है। दन्तुल फिर कहता है कि अपराध का निर्णय क्या उन जैसे ग्रामीण करेंगे? वह राजपुरुषों के लंबे अधिकार की धौंस जमाता है और हरिण-शावक को अपनी संपत्ति बताते हुए दे देने के लिए कहता है। कालिदास कहते हैं कि हरिण-शावक पार्वत्य भूमि की संपत्ति है। इसके बाद कालिदास घायल हरिण-शावक को लेकर अपने घर रवाना हो जाते हैं।

5. आशय स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1.

तुम्हारे लिए प्रश्न अधिकार का है, उनके लिए संवेदना का।

उत्तर :

शिकारी व्यक्ति और किसी की जान बचानेवाले, दोनों में बहुत फर्क होता है। शिकारी को शिकार करके किसी के प्राण लेने में कोई झिझक नहीं होती, बल्कि वह इसे अपनी बहादुरी और मनोरंजन के रूप में देखता है। वह शिकार करना अपना शौक मानता है और शिकार पर अपना अधिकार मानता है। पर संवेदनशील व्यक्ति का हृदय किसी घायल प्राणी को देखकर द्रवित हो उठता है। वह उसका प्राण बचाने के लिए अपनी जान लड़ा देता है। अधिकार जतानेवाला व्यक्ति प्राण लेने पर खुश होता है, जबकि संवेदनशील व्यक्ति किसी की जान बचाकर खुश होता है। यदि कोई किसी को प्राण दे नहीं सकता है, तो उसे किसी का प्राण लेने का भी अधिकार नहीं है।

प्रश्न 2.

यह हरिणशावक पार्वत्य-भूमि की संपत्ति है, राजपुरुष और इसी पार्वत्य-भूमि के निवासी हम इसके सजातीय हैं ।

उत्तर :

पार्वत्य क्षेत्र में मनुष्य और पशु-पक्षी में कोई अंतर नहीं है। दोनों प्राणधारी हैं और पायल होने पर दोनों को ही दर्द होता है। इसलिए पर्वतीय भूमि में मनुष्य और पक्षु-पक्षी में सजातीय रिश्ता है। इस भूमि में जैसे मनुष्य को मारना अपराध है, ठीक उसी तरह पशु-पक्षियों को मारना भी अपराध है।

इस क्षेत्र में कोई व्यक्ति किसी पशु का शिकार कर उसे अपनी संपत्ति जताना चाहे, तो यहां के निवासियों को यह कदापि बर्दाश्त नहीं होता। इसीलिए कालिदास राजपुरुष दन्तल से यह वाक्य कहते हैं। पार्वत्य भूमि के पशु-पक्षी की जान बचाने के लिए इस क्षेत्र के लोग अपनी जान लड़ा देते हैं। क्योंकि वे इन्हें अपने से अलग नहीं मानते।

7. विशेषण बनाइए :

प्रश्न 1.

1. शरीर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. गाँव
3. प्रदेश
4. दिन
5. पीड़ा

उत्तर :

1. शरीर - शारीरिक
2. गाँव - गवार
3. प्रदेश- प्रादेशिक
4. दिन - दैनिक
5. पीड़ा - पीड़ित

8. भाववाचक संज्ञा बनाइए :

प्रश्न 1.

1. कोमल
2. बहुत
3. रुष्ट

उत्तर :

1. कोमल - कोमलता
2. बहुत - बहुतायत
3. रुष्ट - रुष्टि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in